मनोविज्ञान के सम्प्रदाय (Schools of Psychology)

1. संरचनावाद (Structuralism) : मनोविज्ञान के अन्तर्गत इस 'संरचनावाद' के प्रवर्तक हैं 'विलियम युन्ट' और 'टिचनर'। इन दोनों मनोवैज्ञानिकों ने जर्मनी के लिपजिंग (Liepzing) शहर में सर्वप्रथम मनोविज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना की । संरचनावादी कहते हैं कि मानव की चेतना तमाम मानसिक क्रियाओं और क्षमताओं का योग है। मन चेतना और अनुभव आदि की संरचना इस विचारधारा में क्या है और किस प्रकार है यही बताने की कोशिश की जाती है। संरचनावादी सम्प्रदाय इस तरह की चिन्तन प्रणाली है जिसका अध्ययन क्षेत्र और विषय प्राणी के चेतन अनुभवों का स्वरूप होता है । इसका मुख्य लक्ष्य वैज्ञानिक विधि से चेतन अनुभवों का अध्ययन करना है।

मनोविज्ञान से आन्तरिक अनुभवों का सर्वेक्षण होता है। इसी विचार की वजह से कुछ मनोविज्ञानिकों ने उसको या इस सम्प्रदाय को 'अन्तर्दर्शनवाद' भी कह दिया है।

संरचनावादी सम्प्रदाय की विशेषतायें (Characteristics of Structuralism)

संरचनावादी सम्प्रदाय से सम्बन्धित विशेषतायें इस प्रकार से हैं

1. मन और शरीर दोनों का अलग-अलग अस्तित्व है तथा ये दोनों मिलकर मानसिक प्रक्रियाओं के घटने या घटित होने की व्यवस्था करते हैं।

2. संरचनावादी तंत्रिका तन्त्र को (Nervous System) को अनुभवों का आधार मानते हैं। ये तन्त्र अनुभवों को पाने में मदद करता है। 'टिचनर' कहते हैं कि 'मानसिक तत्व' व्यक्ति के अनुभवों का आधार है या इकाई है। अनुभव व्यक्ति की चैतन आंतरिक संरचना है और ये चेतना किसी निश्चित समय में घटने वाली मानसिक क्रियाओं का योग है।

3. संरचनावाद में विश्लेषण के द्वारा मन और चेतना के स्वरूप की जानकारी की जाती है।

संरचनावाद का शिक्षा में योगदान(Contribution of Structuralism in Education)

संरचनावाद विचारधारा का प्रभाव केवल मनोविज्ञान पर ही नहीं पड़ा है। बल्कि शिक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ा है जो इस तरह से है।

1. मनोविज्ञान के वैज्ञानिक तरीके से विकसित होने में इस विचारधारा का ऐतिहासिक महत्व है।

2. संरचनावादी सम्प्रदाय ये मानती है कि शिक्षा एक मानसिक क्रिया है और शिक्षा का उद्देश्य है अनुभवों में वृद्धि करना।

3. संरचनावादी सम्प्रदाय ने मानसिक क्रियाओं के स्वरूप और रचना के क्रमबद्ध निरीक्षण पर जोर दिया।

4. इसने शिक्षा और शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अध्ययन पर बल दिया।

संरचनावाद की सीमायें (Limitations of Structuralism) :

1. इसने अभिप्रेरण और व्यक्तित्व से सम्बन्धित समस्याओं की ओर कोई ध्यान नहीं दिया।
2. क्योंकि इस सम्प्रदाय ने अन्तर्दर्शन विधि को अपनाया इसलिये इसने मनोविज्ञान के एक सीमित क्षेत्र में ही काम किया है।
3. संरचनावादियों ने 'मन' की समग्रता की दिशा की ओर कोई काम नहीं किया।